इकाई - II

7. टिपटिपवा

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. लड़का क्यों भाग रहा होगा?
3. बरसात के समय वातावरण कैसा होता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

एक थी बुढ़िया। उसका एक पोता था। पोता रोज़ रात में सोने से पहले दादी से कहानी सुनता। दादी रोज़ उसे तरह-तरह की कहानियाँ सुनाती।

एक दिन मूसलाधार बारिश हुई। ऐसी बारिश पहले कभी नहीं हुई थी। सारा गाँव बारिश से परेशान था। बुढ़िया की झोंपड़ी में पानी जगह-जगह से टपक रहा था – टिपटिप-टिपटिप। इस बात से बेखबर पोता दादी की गोद में लेटा कहानी सुनने के लिए मचल रहा था। बुढ़िया खीझकर बोली – अरे बचवा, का कहानी सुनाएँ? ई टिपटिपवा से जान बचे तब न!

पोता उठकर बैठ गया। उसने पूछा – दादी, ये टिपटिपवा कौन है? टिपटिपवा क्या शेर-बाघ से भी बड़ा होता है?

दादी छत से टपकते हुए पानी की तरफ़ देखकर बोली – हाँ बचवा, न शेरवा के डर, न बघवा के डर। डर त

SCERT TELANGANA

डर, टिपटिपवा के डर।

संयोग से मुसीबत का मारा एक बाघ बारिश से बचने के लिए झोंपड़ी के पीछे बैठा था। बेचारा बाघ बारिश से घबराया हुआ था। बुढ़िया की बात सुनते ही वह और डर गया।

अब यह टिपटिपवा कौन-सी बला है? ज़रूर यह कोई बड़ा जानवर है। तभी तो बुढ़िया शेर-बाघ से ज़्यादा टिपटिपवा से डरती है। इससे पहले कि बाहर आकर वह मुझ पर हमला करे, मुझे ही यहाँ से भाग जाना चाहिए।

बाघ ने ऐसा सोचा और झटपट वहाँ से दुम दबाकर भाग चला।

उसी गाँव में एक धोबी रहता था। वह भी बारिश से परेशान था। आज सुबह से उसका गधा गायब था। सारा दिन वह बारिश में भीगता रहा और जगह-जगह गधे को ढूँढ़ता रहा लेकिन वह कहीं नहीं मिला।

धोबी की पत्नी बोली – जाकर गाँव के पंडित जी से क्यों नहीं पूछते? वे बड़े

© SCERT TELANGANA

ज्ञानी हैं। आगे-पीछे, सबके हाल की उन्हें खबर रहती है।

पत्नी की बात धोबी को जँच गई। अपना मोटा लट्ठ उठाकर वह पंडित जी के घर की तरफ़ चल पड़ा। उसने देखा कि पंडित जी घर में जमा बारिश का पानी उलीच-उलीचकर फेंक रहे थे ।

धोबी ने बेसब्री से पूछा– महाराज, मेरा गधा सुबह से नहीं मिल रहा है। ज़रा पोथी बाँचकर बताइए तो वह कहाँ है?

सुबह से पानी उलीचते-उलीचते पंडित जी थक गए थे। धोबी की बात सुनी तो झुँझला पड़े और बोले –

मेरी पोथी में तेरे गधे का पता –
ठिकाना लिखा है क्या, जो आ गया पूछने? अरे, जाकर ढूँढ़ उसे किसी गढ़ई-पोखर में।

और पंडित जी लगे फिर पानी उलीचने। धोबी वहाँ से चल दिया। चलते-चलते वह एक तालाब के पास पहुँचा। तालाब के किनारे ऊँची-ऊँची घास उग रही थी। धोबी घास में गधे को ढूँढ़ने लगा। किस्मत का मारा बेचारा बाघ टिपटिपवा के डर से वहीं घास में छिपा बैठा था। धोबी को लगा कि बाघ ही उसका गधा है। उसने आव देखा न ताव और लगा बाघ पर मोटा लट्ठ बरसाने। बेचारा बाघ इस अचानक हमले से एकदम घबरा गया।

SCERT TEXT BOOK

बाघ ने मन ही मन सोचा – लगता है यही टिपटिपवा है। आखिर इसने मुझे ढूँढ़ ही लिया। अब अपनी जान बचानी है तो यह जो कहे, चुपचाप करते जाओ।

आज तूने बहुत परेशान किया है। मार-मारकर मैं तेरा कचूमर निकाल दूँगा – ऐसा कहकर धोबी ने बाघ का कान पकड़ा और उसे

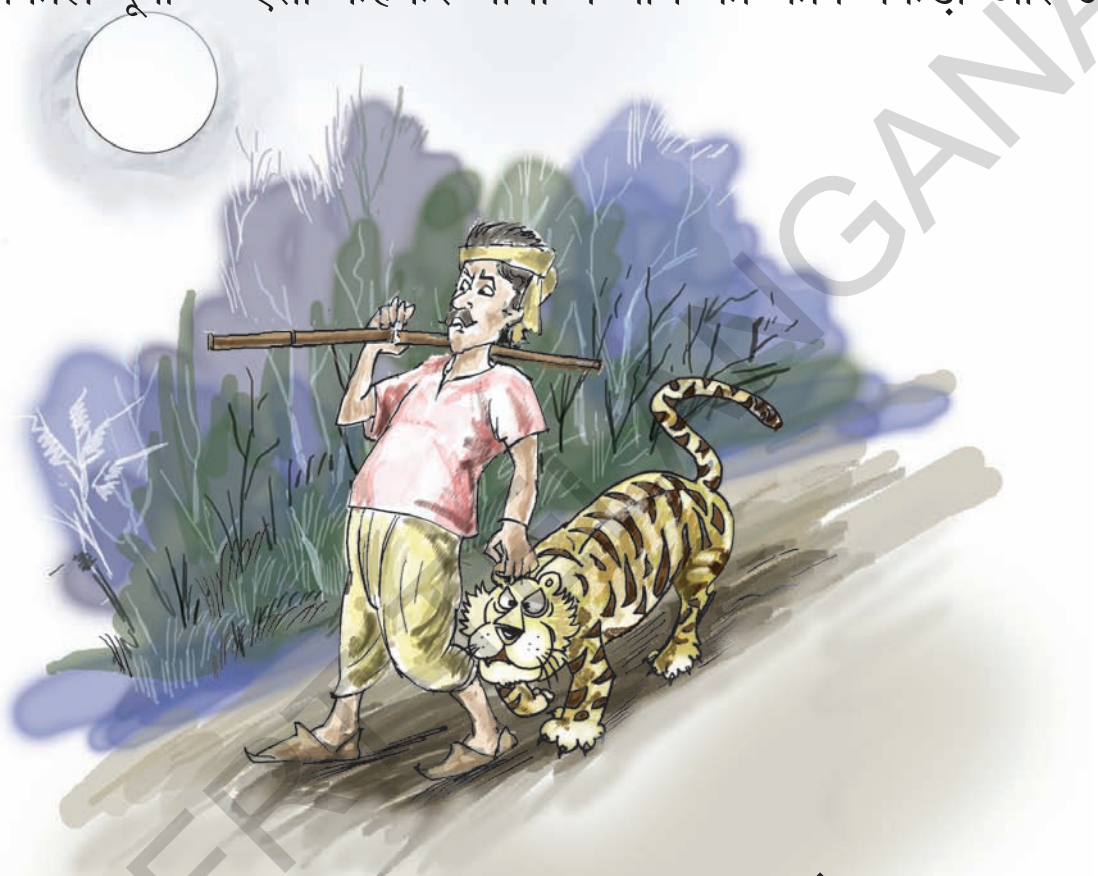

खींचता हुआ घर की तरफ़ चल दिया। बाघ बिना चूँ-चपड़ किए भीगी बिल्ली बना धोबी के पीछे-पीछे चल दिया। घर पहुँचकर धोबी ने बाघ को खूँटे से बाँध दिया और सो गया।

सुबह जब गाँव वालों ने धोबी के घर के बाहर खूँटे से एक बाघ को बँधे देखा तो उनकी आँखें खुली की खुली रह गईं।

गिरिजा रानी अस्थाना

सुनिए–बोलिए

1. बारिश आपको को कैसी लगती है और आप बारिश में कौन–कौन से खेल खेलते हैं?

2. कुछ जानवरों के नाम बताइए। आपको कौनसा जानवर सबसे अच्छा लगता है और क्यों?

पढ़िए

कौन-किससे परेशान?

इस कहानी में लगता है सभी परेशान थे। बताइए कौन-किससे परेशान था?

..... _ .....

..... _ .....

..... _ .....

..... _ .....

लिखिए

याद कीजिए

पोता दादी की गोद में कहानी सुनने के लिए मचल रहा था। आप किन-किन चीज़ों के लिए मचलते है?

मैं .....

.....

.....

.....

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

नीचे कहानी में से कुछ वाक्य दिए गए हैं। इन्हें अपने शब्दों में लिखिए।

- टिपटिपवा कौन-सी **बला** है?

  .....

- पत्नी की बात धोबी को **जँच** गई।

  .....

- बाघ **बिना चूँ-चपड़ किए भीगी बिल्ली** बना धोबी के पीछे-पीछे चल दिया।

  .....

- ज़रा **पोथी बाँच कर** बताइए वह कहाँ है?

  .....

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

यह कहानी एक ऐसे दिन की है जब मूसलधार बारिश हो रही थी। अगर मूसलधार बारिश की बजाए बूँदा-बाँदी होती, तो क्या होता?

यदि उस रात बूँदा-बाँदी होती तो

.....

.....

प्रशंसा

आज धीरे-धीरे लोककथाएँ लुप्त होती जा रही हैं। इसका समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है?

.....

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

एक से ज़्यादा

एक कहानी – सभी कहानियाँ

एक तितली – कई .....

एक ..... – दस .....

एक चूड़ी – ढेरों .....

एक खिड़की – चार .....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर छोटी कहानी लिख सकता/सकती हूँ।		

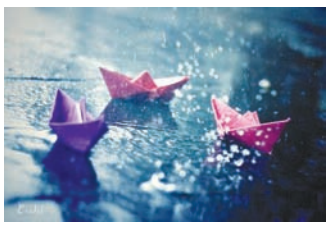

SCERT TELANGANA